07/10/020

B.A. (Part - III)

Rural Development in China (Part-B)

Technical Transformation of Agriculture:-

1949 से 1958 के बीच दस वर्षों तक जब ग्रामीण समाज के बुनियादी संस्थागत परिवर्तन का काम किया जा रहा। युद्ध के पूर्व वाली सिंचाई परियोजनाओं की मरम्मत की गयी और श्रम गहन जल संरक्षण परियोजनाएँ प्रारंभ की गयी। परिणामस्वरूप अनाज का उत्पादन 1949 में 10.8 करोड़ टन से बढ़कर 1952 में 15.4 करोड़ टन और 1958 में 20.5 करोड़ टन हो गया। परन्तु 1959 से 1961 के बीच यह गिर कर औसतन 15 करोड़ टन और 15.7 करोड़ टन के बीच आ गया। पुनः 1965 में यह बढ़कर 20 करोड़ टन तक पहुँचा और उसके बाद यह बढ़ता हुआ 1970 में 24 करोड़ टन, 1974 में 27.5 करोड़ टन और 1975 में 28.5 करोड़ टन तक पहुँच गया।

चीनी नेता सचमुच दुर्ग प्रौद्योगिकी और आधुनिक आदानों के बीच के महत्व को समझ रहे थे। फिर भी उन्होंने पहले कृषि के सामाजिक रूपान्तरण को प्राथमिक महत्व दिया अंशतः इसलिए कि वे यह सुनिश्चित करना चाहते थे कि तकनीकी परिवर्तन के लाभ सभी लोगों को मिले न कि वे केवल साधन सम्पन्न लोगों द्वारा ही हड़प लिए जाये और अंशतः इसलिए कि ग्रामीण समुदाय

को इस रूप में संगठित किया जा सके कि वह सुधरी प्रौद्योगिकी तथा आधुनिक आदानों को अधिकांशतः अपने ही प्रयासों से अर्जित और विस्तीर्ण कर सके तथा उसके लिए आवश्यक वित्त की व्यवस्था कर सके।

कृषि के सामाजिक तथा तकनीकी रूपांतरणों को एक-दूसरे में पिरोये जाने के तरीके और कृषि तथा उद्योग के बीच सम्बन्ध पर भी ग्रामीण विकास के चीनी दृष्टिकोण में पर्याप्त ध्यान दिया गया था।

1958 की शरद में चेयरमैन माओत्से तुंग ने चीन में वैज्ञानिक कृषि के लिए आठ सूत्री चार्टर प्रस्तुत किया। ये आठ सूत्र अभी भी महत्वपूर्ण है :→

(I) मिट्टी
(II) उर्वरक
(III) जल संरक्षण
(IV) बीजों का चुनाव
(V) घनी रोपनी
(VI) पौधा संरक्षण
(VII) औजारों का सुधार और
(VIII) खेतों की व्यवस्था

ये आधुनिकीकृत कृषि वाले क्षेत्र देश के प्रायः एक दर्जन विभिन्न अंचलों में स्थित हैं जिन्हें 'ऊँची तथा स्थिर उत्पादन दरों का क्षेत्र' कहा जाता है।

अब तकनीकी परिवर्तन इस प्रक्रिया को चार बुनियादी परिवर्तनों - सिंचाई, विद्युतीकरण,

रासायनिकीकरण तथा यंत्रीकरण के द्वारा अन्य क्षेत्रों में भी फैलाने के प्रयास जारी है।

मात्र प्रायः 15 वर्षों के अल्प काल में अपनी कृषि के तकनीकी रूपान्तरण को प्रारंभ करने में चीन की सफलता अनाज के उत्पादन अथवा ग्रामीण जीवन में सुधार के क्षेत्रों में प्राप्त सफलताओं में ही बल्कि तकनीकी परिवर्तन के अनेक निश्चित सूचकों में भी प्रतिबिम्बित होती है जिनमें ये शामिल है :—

(1) सिंचाई के अन्तर्गत क्षेत्र में वृद्धि तथा उसके फलस्वरूप फसलों की गहनता में वृद्धि;

(2) सुधरे बीजों के अन्तर्गत क्षेत्र का विस्तार तथा कृषि कार्य की तकनीक में अन्य सुधार;

(3) रसायनिक उर्वरकों की ~~अपेक्षा~~ अपेक्षाकृत बड़ी मात्रा में पूर्ति और उत्पादन;

(4) कृषि कार्यों का क्रमिक यंत्रीकरण तथा ट्रैक्टरों और अन्य कृषि यंत्रों के देशी उत्पादन में प्रगति।

चीन की कृषि की तकनीकी प्रगति को दो विशेषताएँ मिलती है :—>

(1) किसी निश्चित क्षेत्र में तकनीकी परिवर्तन की दर सामान्यतः एकरूपी तथा व्यापक है।

(2) तकनीकी प्रगति के फल कम्यून के अन्तर्गत समान रूप से वितरित हुए है।